चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.1.24	11	5-6

युवा देश की बड़ी ताकत : डा. जगबीर

हकृवि में स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

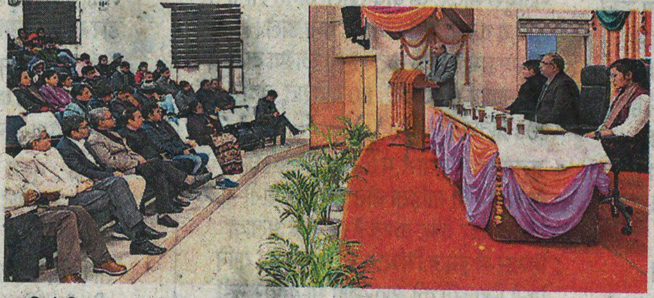

हकृवि में विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डा. जगबीर सिंह। ● पीआरओ

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डा. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की।

डा. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	13-1-24	3	3-4

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत : डॉ. जगबीर सिंह

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में शुक्रवार को राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी।

एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है, ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	13-1-24	11	2-5

एचएयू में स्वामी विवेकानंद जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत उन्हें सकारात्मक दिशा दिखाएं

- युवाओं को विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

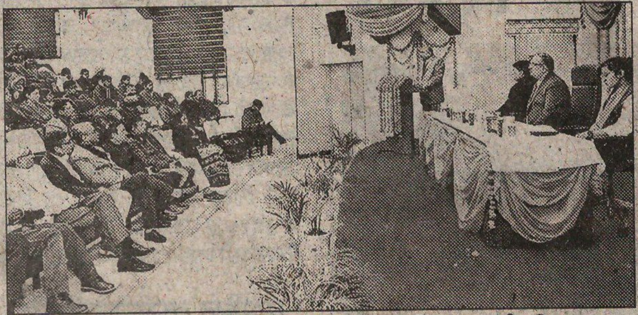

हिसार। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

हरियाणा के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह ने कहा है कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें सकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। डॉ. जगबीर सिंह शुक्रवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर ह्यविकसित युवा-विकसित भारतह्न विषय पर विचार संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। डॉ. जगबीर इसमें मुख्य अतिथि थे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अध्यक्षता की। डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया और कहा कि युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब दो मिनट क उनके लिए तालियां बजाई।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरूषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	13.1.24	5	1-4

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें साकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह

हिसार, 12 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व

हकृवि में आयोजित विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब 2 मिनट तक उनके लिए तालियां बजाई। मुख्यातिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहां भी है, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए सुविचारों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरूषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुई। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरू बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़े। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनोवेशन के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने पर जोर दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उपरोक्त परिषद, हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा मुस्काने ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	13-1-24	4	5-6

हकृवि में आयोजित विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह।

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें सकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर

हिसार (ब्यूरो) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेते हुए अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताते हुए सकारात्मक दिशा में चलने का आह्वान किया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13-1-24	4	4

युवा स्वामी विवेकानंद की जीवनी से लें प्रेरणा

एचएयू में विचार संगोष्ठी को संबोधित करते मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह। स्रोतः आयोजक

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे। उन्होंने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने अध्यक्षता की। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत किया। इस मौके पर परिषद के नगर अध्यक्ष नरेश, मुस्कान आदि मौजूद रहे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	12.01.2024	--	--

विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का आयोजन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरूषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा।दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुई। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरू बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	13.01.2024	--	--

हकृवि में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें साकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 13 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की।

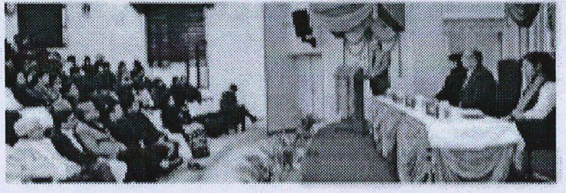

मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो-जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब 2 मिनट तक उनके लिए तालियां बजाई। मुख्यातिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहां भी है, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए सुविचारों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए।

इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उपरोक्त परिषद, हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा मुस्कान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद की विकसित भारत की तीसरी भविष्यवाणी भी सच सिद्ध होगी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरूषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुई। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरू बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनोवेशन के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने पर जोर दिया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	12.01.2024	--	--

युवा देश की सबसे बड़ी ताकत, जरूरत है उन्हें साकारात्मक दिशा दिखाने की : डॉ. जगबीर सिंह

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 13 जनवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर 'विकसित युवा-विकसित भारत' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उद्देश्यों व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें सकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है। मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह-जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। जब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई-बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब 2 मिनट तक उनके लिए तालियां बजाई।

मुख्यातिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहां भी हैं, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए चुनौतियों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए।

स्वामी विवेकानंद की विकसित भारत की तीसरी भविष्यवाणी भी सच सिद्ध होगी : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार-बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा सकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुईं। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं व्यावहारिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा यह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा सकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ें तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को पढ़ कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूर्ण तौर से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को इनोवेशन के साथ नए-नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनने पर जोर दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह-मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर समस्त युवाओं को प्रेरित किया। उद्योग परिषद, हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया जबकि मंच संचालन छात्रा मुस्कान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण [illegible] कौशिक भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11-01-24	4	6-8

शिमला मिर्च की कैलिफोर्निया वंडर, सोलन भरपूर, एनपी 46-ए व पंत सी-1 किस्में उगाएं

बसंतकालीन बैंगन के लिए हिसार श्यामल व हिसार प्रगति की बिजाई करें

यशपाल सिंह | हिसार

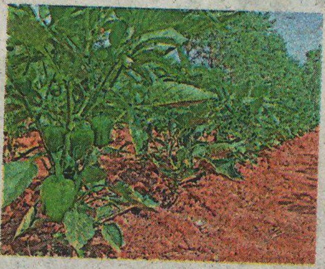

शिमला मिर्च की फाइल फोटो।

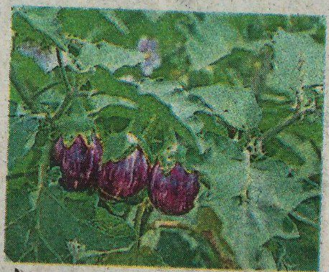

बैंगन की फसल की फाइल फोटो।

बसंतकालीन मिर्च व शिमला मिर्च की नर्सरी के लिए जनवरी महीना सही माना गया है। नर्सरी तैयार करने के बाद जनवरी-फरवरी में रोपाई की जा सकती है। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मिर्च के लिए अनुमोदित किस्में एनपी 46-ए, पूसा सदाबहार, पंत सी-1 और काशी अनमोल को प्रयोग में ले सकते हैं। एक एकड़ मिर्च व शिमला मिर्च की फसल के लिए लगभग 400 व 600 ग्राम बीज की जरूरत होती है। शिमला मिर्च में कैलिफोर्निया वंडर, सोलन भरपूर एवं पूसा कैपसिकम-1 का प्रयोग करें।

1 एकड़ में लगभग 10 टन गोबर की खाद रोपाई के लगभग 3 सप्ताह पूर्व खेत में अच्छी तरह से मिला लें। जुताई कर क्यारियां बना लें। एक एकड़ में 20 किलोग्राम नाइट्रोजन यानि 60 किलोग्राम यूरिया खाद, 12 किलोग्राम फॉस्फोरस यानि 75 किलोग्राम सिंगल सूपर फॉस्फेट तथा 12 किलोग्राम पोटाश यानि 20 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश की मात्रा डालें। नाइट्रोजन की 1/3 मात्रा व फास्फोरस तथा पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के समय दें। शेष नाइट्रोजन खाद की 2/3 मात्रा को रोपाई के एक महीने पश्चात् फूल आने पर खड़ी फसल में दें। तैयार खेत में पौध की रोपाई कतारों में 45-60 सें.मी. दूरी पर करें तथा पौधे से पौधे की दूरी 30-45 सेंटीमीटर रखें। मिर्च के मुकाबले शिमला मिर्च की बढ़वार अधिक होती है। हकृवि सब्जी विभाग के वैज्ञानिक डा. सुरेश तिहलान ने बताया कि खेत तैयार करने के लिए पौधारोपण के लगभग तीन सप्ताह पहले एक एकड़ में लगभग 10 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नाइट्रोजन यानि 100 किलोग्राम यूरिया खाद, 20 किलोग्राम फॉस्फोरस यानि 125 किलोग्राम सिंगल सूपर फॉस्फेट तथा 12 किलोग्राम पोटाश यानी 16 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश की मात्रा डालें।

बैंगन की फरवरी के दूसरे पखवाड़े में रोपाई करें

बैंगन की बसंतकालीन फसल के लिए यदि पौध तैयार कर रखी है तो फरवरी के दूसरे पखवाड़े से रोपाई शुरू की जा सकती है परंतु इस फसल को पाले से बचाना आवश्यक है। बैंगन की उन्नत किस्मों में बी आर 112, हिसार श्यामल व हिसार प्रगति को प्रयोग में लाया जा सकता है। एक एकड़ में लगभग 200 ग्राम बीज की आवश्यकता होती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमृत धारा	13.01.2024	--	--

हकृवि में राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर विकसित युवा-विकसित भारत विषय पर आयोजित विचार संगोष्ठी का हुआ आयोजन

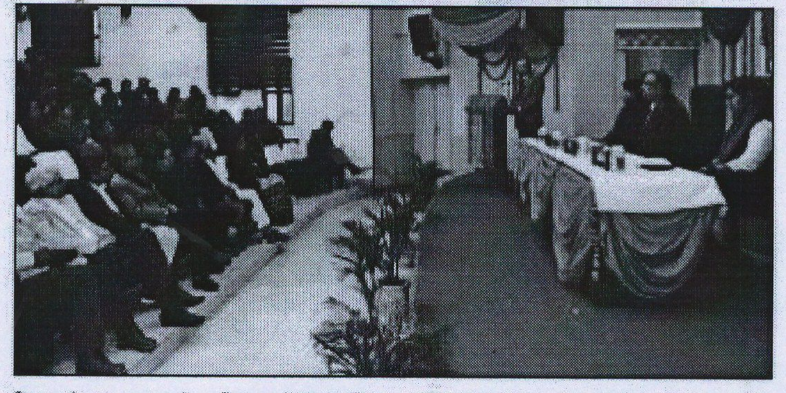

हिसार से अमृत धारा के लिए फोटो जर्नलिस्ट मनोज भुटानी के साथ संजीव मेहता – चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आज राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानन्द जयंती के उपलक्ष्य पर विकसित युवा–विकसित भारत विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के राज्य सूचना आयुक्त डॉ. जगबीर सिंह रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि डॉ. जगबीर सिंह ने युवाओं को स्वामी विवेकानंद की जीवनी से प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन में सदा उठो–जागो व लक्ष्य की प्राप्ति पर काम करने के लिए प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं को देश की सबसे बड़ी ताकत बताकर उन्हें साकारात्मक दिशा में चलने के लिए आह्वान किया। युवा शक्ति के दम पर ही भारत को विकसित देशों की लिस्ट में शामिल किया जा सकता है।

मुख्यातिथि ने 1893 में शिकागो में हुई विश्व धर्म परिषद सम्मेलन का जिक्र करते हुए बताया कि वहां स्वामी विवेकानंद को भाषण देने के लिए पहले काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने हार नहीं मानी और दृढ़ता के साथ वहां जगह–जगह भाषण देने शुरू कर दिए। उनकी प्रतिभा देखकर आखिरकार विश्व धर्म परिषद के सदस्यों ने उन्हें भाषण देने के लिए अनुमति प्रदान की। तब स्वामी विवेकानंद ने अपने उद्‌बोधन में अमेरिकन लोगों को अपना भाई–बंधु बताया, जिससे प्रभावित होकर उपस्थित लोगों ने करीब दो मिनट तक उनके लिए तालियां बजाई। मुख्यातिथि ने शिक्षा पद्धति में बदलाव कर स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों व गुरुकुलों में विद्यार्थियों को पारंपरिक ज्ञान देने पर जोर दिया। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे जहां भी है, चाहे छोटे या फिर बड़े स्तर पर काम कर रहे हैं उनको देश को संपन्न एवं समृद्ध बनाने के लिए सुविचारों के साथ नई ऊर्जा से काम करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने अध्यक्षीय भाषण में भारत को युवाओं का देश बतलाया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती मनाने का मुख्य उद्देश्य युवाओं को देश के उत्थान एवं समृद्ध बनाने के लिए बार–बार जागृत करना है ताकि भारत के महान पुरुषों के दिखाए मार्ग व सिद्धांतों पर चलकर युवा साकारात्मक दिशा में काम करें। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत को विकसित एवं समृद्ध बनाने के लिए तीन बड़ी भविष्यवाणियां की थी, जिनमें पहली यह थी कि 1890 के दशक में भारत अपने अकल्पनीय परिस्थितियों में अथक प्रयास की मदद से अगले 50 सालों में स्वाधीनता प्राप्त करेगा। दूसरी भविष्यवाणी यह थी कि रूस में श्रमिक क्रांति आएगी। ये दोनों भविष्यवाणियां सत्य साबित हुई। तीसरी भविष्यवाणी यह थी कि भारत एक बार फिर अपनी शक्ति एवं पारंपरिक ज्ञान की मदद से समृद्ध एवं स्वावलंबी बनेगा तथा वह विकसित देशों में शुमार होकर फिर से विश्वगुरु बन सकेगा। उन्होंने कहा कि अगर युवा साकारात्मक विचारों व ऊर्जा के साथ अपने पथ पर आगे बढ़ते हैं तो निश्चित रूप से उनको सफलता मिलनी तय है। प्रो. काम्बोज ने रविन्द्रनाथ टैगोर की पंक्तियों को याद कर युवाओं को कहा कि अगर भारत को पूरी तरह से जानना है तो स्वामी विवेकानंद की जीवनी को जरूर पढ़ें। उन्हों ने वर्तमान पीढ़ी को इनोवेशन के साथ नए–नए शोध करने व आगामी पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने पर जोर दिया।इस अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, हरियाणा प्रांत की सह–मंत्री मोनिका वर्मा ने सभी का स्वागत कर सर्वप्रथम राष्ट्रीय युवा दिवस एवं स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य पर सभी को बधाई दी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद को युवाओं का आदर्श बताकर उनके द्वारा दिखाए मार्गों व सिद्धांतों पर चलने के लिए समस्त युवाओं को प्रेरित किया। हिसार के नगर अध्यक्ष नरेश ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जबकि मंच संचालन छात्रा मुस्कान ने किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिकारीगण सहित इससे जुड़े समस्त महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, शोधार्थी के अलावा डॉ. रामकरण व हेमंत कौशिक भी मौजूद रहे।